



विशेष कविता (Special Hindi Poem)

Source: www.brahma-kumaris.com (Main Website) | www.bkgoogle.com (BK Google)

• नारी शक्ति

बेबस व्यथित बेहाल होकर नारी क्यों बिलखती
लज्जा गंवाकर नारी क्यों मन ही मन सिसकती ।
बलिदानों की प्रतिमा नारी क्यों हो गई कमजोर
भरा हुआ क्यों विष का प्याला उसके चारों ओर ।
प्रसव पीड़ा को सहने वाली क्या क्या वो सहेगी
क्या उसकी झोली सदाकाल दुखों से भरी रहेगी ।
नव दुर्गा का प्रतीक है नारी शौर्य जिसमें समाया
फिर क्यों नारी को हमने इतना कमजोर बनाया ।
पद्मिनी, लक्ष्मी और सीता गवाही आज भी देती
धर्म की रक्षा के लिए नारी प्राण आहुत कर देती ।
वस्तु नहीं तूँ वासना की कर खुद की तूँ पहचान
जीवन हो महाजीवन तेरा समझाते तुझे भगवान ।
निष्प्राण हुई सृष्टि का करना तुझको नव निर्माण
अपनी प्रतिभा का देना है संसार को तुझे प्रमाण ।
अपने मनोबल को हिमालय से भी ऊंच बनाओ
अपनी दिव्यता की किरणे सारे विश्व में फैलाओ ।
मातृ रूप धरकर सबको तुम अमृत पान कराओ
भारत देश का खोया हुआ मान फिर से दिलाओ ।
* ॐ शांति ।

by: BK Mukesh bhai - bkmukesh1973@gmail.com

For More Poems, visit – www.bkofficial.com/poems-hindi



OR scan this QR code with your phone camera ->